# कचरे से रोशन होंगे 50 हजार घर

P.K - 4-10-12

## ■ डोर-टू-डोर कचरा उठाव करनेवाली एजेंसी बनायेगी कूड़े से बिजली

राकेश रंजन ■ पटना

अब कचरे से बनी बिजली से राजधानी के 50 हजार घरों की बत्ती जलेगी. इसके लिए कचरे से बिजली बनाने की योजना को बहुत जल्द जमीन पर उतारी जायेगी. नगर निगम ने इस योजना को अमलीजामा पहनाने की तैयारी शुरू कर दी है. नगर निगम बोर्ड से सैद्धांतिक सहमति भी मिल गयी है. इसके लिए बैरिया व रामाचक में जमीनों का अधिग्रहण हो चुका है.

### 10 मेगावाट बिजली उत्पादन संभव

शहर में प्रतिदिन निकलनेवाले एक हजार मीटरिक टन कचरे से प्रतिदिन करीब 10 मेगावाट बिजली का उत्पादन होने की संभावना है, जिससे 50 हजार घर रोशन होंगे. कचरे से बिजली बनाने की जिम्मेदारी भी गठित होनेवाली सरकारी एजेंसी को ही दी जायेगी.

### 175 मीटरिक टन कंपोस्ट भी बनेगा

कचरे से स्टेट ग्रिड को प्रति घंटे करीब साढ़े आठ हजार यूनिट बिजली की आपूर्ति हो सकेगी. इस हिसाब से प्रति दिन तकरीबन ढाई लाख यूनिट

### नगर निगम बोर्ड से मिली सैद्धांतिक सहमति

### बैरिया व रामाचक में किया जा चुका है जमीन का अधिग्रहण

बिजली मिलेगी. एक आकलन के अनुसार, बिजली का औसत उपयोग करनेवाले करीब 50 हजार घरों को हर दिन बिजली मिल सकेगी. इसके अलावा किसानों को भी कचरे से लाभ मिलेगा.

बिजली के साथ कचरे से कंपोस्ट भी बनाया जायेगा. प्रतिदिन करीब 175 मीटरिक टन कंपोस्ट का उत्पादन होगा. जानकारों के मुताबिक अमूमन एक एकड़ जमीन के लिए प्रति वर्ष चार सौ किलो कंपोस्ट की जरूरत होती है.

### कचरे के पहाड़ से बचेगा पटना

पटना से प्रतिदिन निकलनेवाले एक हजार मीटरिक टन कचरे के कारण यहां कूड़े का पहाड़ बनने का खतरा मंडरा रहा है. कचरे का उपयोग नहीं किया गया, तो आनेवाले कुछ वर्षों में स्थिति और भयावह हो जायेगी. अब जब ठोस कचरा प्रबंधन से के जरिय इससे बिजली व कंपोस्ट बनने शुरू हो जायेंगे, तो इस समस्या से राहत मिल जायेगी. इधर-उधर कचरा जमा करने के लिए भी परेशान नहीं होना पड़ेगा.

### दिल्ली में है ऐसा प्लांट

जानकारों के अनुसार, दिल्ली व हरियाणा के सोनीपत में पहले से कचरे से बिजली बनाने का प्लांट लगा हुआ है. यह प्लांट काफी सक्सेस है. यहां प्रतिदिन 12 से 15 मेगावाट बिजली का उत्पादन कचरे से किया जा रहा है. इसके अलावा कंपोस्ट का भी निर्माण किया जा रहा है.

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नगर निगम बोर्ड ने सैद्धांतिक सहमति दे दी है. इसके तहत डोर-टू-डोर कचरे का उठाव होगा. इसके अलावा कचरे से बिजली व कंपोस्ट निर्माण की योजना पर भी काम शुरू जायेगा. जिस सरकारी कंपनी का गठन कचरा उठाव के लिए किया जा रहा है, उसी के द्वारा बिजली व कंपोस्ट का निर्माण भी किया जायेगा.

**अफजल इमाम**, मेयर